दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर–273001
(नैक प्रत्यायित 'B^{++}' श्रेणी)

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांकः 13-04-2024

सूक्ष्म-शिक्षण शिक्षक-प्रशिक्षण कार्यक्रम की नींव होती है - प्रो. (डॉ.) गीता सिंह

आज दिनांक: 13-04-2024 को दिग्विजयनाथ पी०जी० कालेज, गोरखपुर के शिक्षक-शिक्षा (बी.एड.) विभाग में 'शिक्षक-प्रशिक्षण कार्यक्रम में सूक्ष्म-शिक्षण की उपादेयता' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया । विशिष्ट वक्ता - प्रो. (डॉ.) गीता सिंह, पूर्व प्रभारी बी.एड. विभाग, दिग्विजयनाथ पी०जी० कालेज, गोरखपुर ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि व्यक्ति आजीवन सीखता रहता है अर्थात् सीखने की कोई निश्चित उम्र नहीं होती है । सूक्ष्म-शिक्षण की उपादेयता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि सूक्ष्म-शिक्षण शिक्षक-प्रशिक्षण कार्यक्रम की नींव होती है । सूक्ष्म-शिक्षण प्रशिक्षुओं को एक पूर्ण शिक्षक बनाने में काफी महत्वपूर्ण स्थान रखता है । सूक्ष्म शिक्षण कोई शिक्षण नहीं है बल्कि प्रशिक्षण की एक प्रविधि है । यह एक व्यक्तिगत प्रशिक्षण कार्यक्रम है । शिक्षण की बारीकियों को समझने में सूक्ष्म शिक्षण का अपना अलग ही महत्व है । उन्होंने सूक्ष्म शिक्षण चक्र, विभिन्न शिक्षण कौशलों के घटक और उनकी उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए पाठ योजना का निर्माण पर प्रकाश डाला । इसके साथ ही विषय-ज्ञान, सामान्य और विशिष्ट उद्देश्यों के निर्धारण में ब्लूम के शैक्षिक उद्देश्यों के वर्गिकी के प्रयोग एवं उनके महत्व को बताया । एक पूर्ण अध्यापक के लिए संप्रेषण कौशल, व्यक्तित्व, चरित्र, नैतिकता, हाव-भाव का काफी महत्वपूर्ण स्थान है। अध्यापक का व्यक्तित्व आकर्षक होना चाहिये जिससे बालक प्रेरणा ले सकें और उन गुणों को आत्मसात कर सकें ।

कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यर्पण एवं दीपप्रज्ज्वलन तथा माँ सरस्वती की वंदना द्‌वारा हुआ । तत्पश्चात विशिष्ट वक्ता का स्वागत बी.एड. छात्र परिषद् की ओर से अनन्त कीर्ति एवं निधि यादव द्‌वारा किया गया ।सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत का प्रस्तुतीकरण - श्वेता चौधरी, अंशू राव एवं शालू त्रिपाठी ने किया । कार्यक्रम का सफल सञ्चालन वैष्णवी दूबे तथा आभार ज्ञापन बिंदेश्वर तिवारी द्‌वारा किया गया । इस अवसर पर द्‌वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के सभी प्रशिक्षुओं सहित प्राध्यापक प्रो. शुभ्रा श्रीवास्तव, डॉ. सुभाष चन्द्र, श्री राकेश कुमार सिंह, श्री प्रदीप कुमार यादव एवं श्रीमती शालिनी पारीक उपस्थित रहें ।

डॉ. शैलेश कुमार सिंह
मिडिया प्रभारी